भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1068

25 जुलाई, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देना

1068. श्री जिया उर रहमान:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश और विश्व स्तर पर आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए कोई पहल की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में शुरू किए गए प्रमुख कार्यक्रमों, सहयोगों और नीतिगत उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): आयुष मंत्रालय, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को क्रियान्वित कर रहा है और देश में आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी सहित आयुष के संवर्धन और समग्र विकास के लिए उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है। एनएएम के अंतर्गत, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों को एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त उनके प्रस्तावों के आधार पर अनुदान सहायता प्रदान की जा रही है। एनएएम अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है:

i. आयुष स्वास्थ्य एवं वेलनेस केंद्रों (एएचडब्ल्यूसी) जिसे अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर नाम दिया गया है, का संचालन
ii. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंदों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना
iii. मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन
iv. मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण/ नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण
v. 10/30/50 बिस्तरों तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना
vi. राजकीय आयुष अस्पतालों, राजकीय औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को जरूरी दवाइयों की आपूर्ति
vii. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम
viii. आयुष ग्राम
ix. व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण (बीसीसी)
x. उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है
xi. आयुष स्नातक-पूर्व संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/ पीजी/फार्मेसी/पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना

आयुष मंत्रालय ने आयुष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के संवर्धन हेतु केंद्रीय क्षेत्र की योजना (आईसी योजना) विकसित की है। इस योजना के अंतर्गत, आयुष मंत्रालय भारतीय आयुष औषधि विनिर्माताओं/आयुष सेवा प्रदाताओं को आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु सहायता प्रदान करता है; आयुष चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्राष्ट्रीय प्रचार, विकास और मान्यता को सुगम बनाता है; हितधारकों के बीच परस्पर संवाद को बढ़ावा देता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष क्षेत्र के बाजार में विकास को बढ़ावा देता है; विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

आयुर्वेद सहित आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता और रुचि को बढ़ावा देने और सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला/संगोष्ठियाँ आयोजित करता है।

आईसी योजना के अंतर्गत 25 देश-दर-देश समझौता ज्ञापन (एमओयू), 15 आयुष पीठ एमओयू और 52 संस्थान-दर-संस्थान समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ साझेदारी में जामनगर में स्थापित वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (जीटीएमसी) पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह वैश्विक स्तर पर साक्ष्य-आधारित पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा (टीसीआईएम) के लिए एक प्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय देश में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं नामतः आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई), सूचना, शिक्षा एवं संचार संवर्धन (आईईसी), औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन के लिए योजना (सीडीएसएमएमपी), आयुर्वेद स्वास्थ्य योजना और आयुर्ज्ञान को कार्यान्वित कर रहा है।

*****